केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में विश्व जल दिवस का आयोजन।

आज संस्थान में विश्व जल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जल के महत्व विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। र्स्वप्रथम संस्थान के निदेशक डा0 प्रबोध चन्द्र शर्मा ने मुख्य अतिथि डा0 गुरबचन सिंह, भूतपूर्व चेयरमेन कृषि वैज्ञानिक भर्ती मडंल, नई दिल्ली का स्वागत किया।

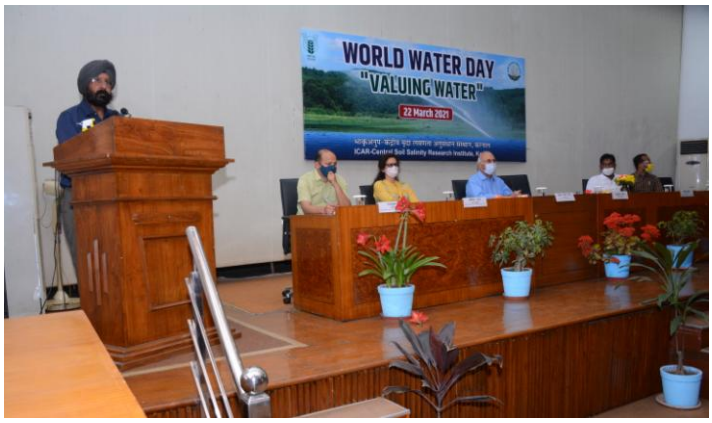

मुख्य अतिथि महोदय ने अपने संबोधन में संस्थान द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि दुनिया में कई देशों में पानी की इतनी कमी हो गई है कि वहां पानी उपल्बध करवाने के लिए 20 से 50 प्रतिशत धन खर्च किया जा रहा है। वातावरण में गर्मी बढने से ग्लेशियर पिघल रहे है खडे हुए पानी का अधिक वाष्पीकरण हो रहा है। हमें अपने चारों प्राकृतिक संसाधनों जमीन, हवा, पानी और वातावरण का उचित संरक्षण करना चाहिए। किसानों को खेतों में मेढ, 15–16 इंच उंची बनानी चाहिए तथा हर किसान को 10 एकड में से 1/4 एकड का तालाब बनाना चाहिए। तालाब में मछली पालना व मेढ पर फलदार वृक्ष लगाने चाहिए ताकि आमदनी बढ सके। जल संरक्षण प्राकृतिक तरीके से होता रहे क्योकि 70 प्रतिशत वर्षा का जल व्यर्थ बर्बाद हो जाता है। इससे जल स्तर उपर आएगा। फसल विवधिकरण पर जोर देते हुए उन्होने मक्की, सोयाबीन व मूंग की खेती पर जोर दिया। उन्होने कम समय मे पकने वाली फसल की किस्में बोने का अवाहन किया। जीरो टीलेज प्राणली से पानी की बचत होती है। उन्होने कहा की जल का संरक्षण करना हमारा धर्म व कर्तव्य है। हमें कम से कम पानी का उपयोग अपने व्यवसायिक स्थल, खेतों व घरों पर करना चाहिए।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डा. प्रबोध चन्द्र शर्मा ने बताया की पुरे भारत वर्ष में हरियाणा पंजाब में अधिकतर पैदावार होती है। हमने भूमि से अधिक मात्रा में पानी निकालना शुरू किया। धान की फसल में पानी की अधिक खपत होती है। यह एक कुदरती स्त्रोत है जिसे हम धीरे–धीरे खो रहें हैं जो चिंता का विषय बनता जा रहा है। हमें अपने आने वाली पीढी के लिए जल बचाना है। धरती पर 97 प्रतिशत पानी नमकीन है, 2 प्रतिशत पानी जमा हुआ है और 1प्रतिशत से भी कम पानी प्रयोग में लाया जा सकता है। इसमें ज्यादातर पानी कृषि में प्रयोग किया जाता है। **कैच द रेन** नया लक्ष्य रखा गया है। वर्ष के जल की एक एक बुंद बचानी है छत का पानी को भी इकटठा करके उसको उपयोग करना है। इसी तरह से वर्षा के जल को भी बचाना है।

स्कुली छात्रों के लिए जल की कीमत विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेता छात्रों को मुख्य अतिथि तथा निदेशक महोदय ने पुरस्कार से सम्मानित किया । इस कार्यक्रम मैं सभी वैज्ञानिक, डा0 अनीत मान, डा0 राजकुमार, डा0 अश्वनी कुमार, श्री आलोक कुमार अधिकारी, कर्मचारी किसान व छात्र उपस्थित रहे।